उपलब्धि

अमेरिकन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों की टीम ने देखा भिलाई का लाइवलीहुड कॉलेज, ट्रेनिंग की टेक्निक को देखा, की तारीफ

# पेंसिलवानिया तक भिलाई के लाइवलीहुड की धाक

एजुकेशन रिपोर्टर | भिलाई

युवाओं को स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देने वाले भिलाई लाइवलीहुड कॉलेज का मॉडल दुनिया अपना सकती है। पढ़ाई छोड़ चुके युवाओं में स्किल डेवलप कर उन्हें रोजगार दिलाने की मुहिम चल रही है। दुनिया में इस मॉडल को सीएसआर फंड के जरिये अपनाने के लिए अमेरिका के पेंसिलवानिया यूनिवर्सिटी के दो प्रोफेसरों की टीम ने मंगलवार को सेक्टर-6 स्थित कॉलेज का जायजा लिया। टीम के डॉ. शॉरन रेविच और डॉ. जेरी जेलिंग करीब दो घंटे तक वहां एक-एक विभागों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। स्किल डेवलपमेंट के बुनियादी संसाधनों को देख प्रोफेसरों ने जमकर तारीफ की।

सेक्टर 6 स्थित लाइवलीहुड कॉलेज में पहुंची अमेरिका से आई टीम।

## कॉलेज में इन विषयों की दी जाती ट्रेनिंग

- इलेक्ट्रिकल एंड होम एप्लाइंसेस रिपेयरिंग
- पेंट एप्लीकेशन टेक्निक
- ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन
- सेलिंग स्किल
- रेफ्रीजरेटर एंड एयर कंडिशनिंग
- सेंट्रल एयर कंडिशनिंग

## हॉयर एजुकेशन को बढ़ावा

हॉयर एजुकेशन लीडरशिप एकेडमी के नेशनल को-आर्डिनेटर प्रोफेसर बी. वेंकटेश कुमार ने बताया कि यूएस के साथ मिलकर देश में हॉयर एजुकेशन सिस्टम को बेहतर करने पर काम चल रहा है। इस कड़ी में विश्वविद्यालयों के कुलपति, कॉलेजों के प्राचार्य, रिसर्च गाइड, प्रोफेसर की ट्रेनिंग बुधवार को रायपुर में होनी है। इसमें छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

## भिलाई का होगा नाम

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एजुकेशन में युवाओं का कितना योगदान है, इस पर अमेरिका में रिसर्च चल रहा है। इसमें लाइवलीहुड कॉलेज के कांसेप्ट को भी शामिल किया गया है। इसलिए यहां की विशेषताओं को भी इंटरनेशनल पर पहचान दी जाएगी। अलग से भिलाई के लाइवलीहुड कॉलेज का एक चेप्टर उसमें होगा, जिसको दुनिया के सामने पेश किया जाएगा। इसके बाद इसको अपनाने का रास्ता खुल जाएगा। जो काफी लाभप्रद होगा।

## हॉयर एजुकेशन के गिरते स्तर पर जताई चिंता

अमेरिका के प्रोफेसरों ने सुझाव दिया कि कॉलेजों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लालच में सुविधाओं से वंचित न किया जाए। संख्या बढ़ाने से कोई गुरेज नहीं होना चाहिए, मगर संसाधनों से भी कोई समझौता नहीं होना चाहिए। इंडिया में क्षमता है और एजुकेशन के मामले में आगे और बढ़ सकता है।

## सबने खूब सराहा

जिन देशों में अधिक आबादी है, वहां इस मॉडल को अपनाया जा सकता है। यहां एक बैंक विकास कर सकती है, तो इसी तरह अन्य प्राइवेट और सरकारी एजेंसियां भी आगे आकर यूथ का भविष्य संवार सकते हैं।
**डॉ. शॉरन रेविच**

मैंने दुनिया में देखा है कि एजुकेशन तो अच्छी देते हैं, मगर उसका रिफंड काफी महंगा यानि फीस अधिक होती है। यहां शुरुआती पढ़ाई से लेकर नौकरी तक दिलाने की गारंटी खुद में बड़ी पहल है। यह मॉडल अपनाने लायक है।
**डॉ. जेरी जेलिंग**